

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनांक: 11-04-2025

विषय सूची

प्राचीन जबड़े की हड्डी की खोज से डेनिसोवन प्रवास और विकास के बारे में जानकारी मिली
RTI अधिनियम में संशोधन पर चिंताएँ व्यक्त की गईं
भारत और रूस ने रणनीतिक परियोजनाओं को मंजूरी दी
जन्म और मृत्यु के आँकड़ों की रिपोर्टिंग में विलंब
भारत को एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है जो डीप-टेक नवाचार को बेहतर ढंग से सक्षम बना सके
व्यापार और वित्त का हथियारीकरण

संक्षिप्त समाचार

जात्रा उत्सव
महावीर जयंती
महात्मा ज्योतिराव फुले जयंती
चित्तौड़गढ़ किला
पनामा नहर
विटामिन डी की कमी
धारावी पुनर्विकास परियोजना(DRP)
विज्ञानजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह
राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)
समुद्री सिंह

प्राचीन जबड़े की हड्डी की खोज से डेनिसोवन प्रवास और विकास के बारे में जानकारी मिली

संदर्भ

- ताइवान के तट पर जबड़े की हड्डी के एक उल्लेखनीय जीवाश्म की खोज ने डेनिसोवन्स, पुरातन मनुष्यों के एक रहस्यमय समूह की भौगोलिक पहुँच में नई जानकारी प्रदान की है।
- जबड़े की हड्डी (जिसे पेन्गु 1 के रूप में जाना जाता है) को वाणिज्यिक मछली पकड़ने के संचालन के दौरान ताइवान के पास पेन्गु चैनल से बरामद किया गया था।

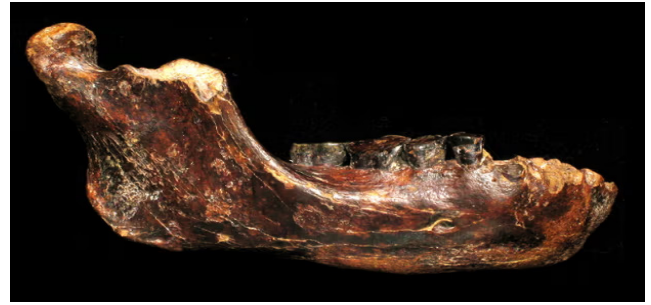
प्राचीन डेनिसोवन्स के बारे में

- वे पुरातन मनुष्यों का एक विलुप्त समूह हैं, जिन्हें मुख्य रूप से सीमित जीवाश्म साक्ष्यों के माध्यम से जाना जाता है, जिसमें जबड़े की हड्डी, दाँत और एक उंगली की हड्डी शामिल है।
- **उत्पत्ति और खोज:** डेनिसोवन्स की पहचान प्रथम बार 2010 में साइबेरिया में डेनिसोवा गुफा में पाई गई एक उंगली की हड्डी से निकाले गए डीएनए से की गई थी।
- आनुवंशिक विश्लेषण से पता चला कि वे एक अलग वंश थे, जो निएंडरथल और आधुनिक मनुष्यों से निकटता से संबंधित थे।
- **शारीरिक विशेषताएँ:** DNA मिथाइलेशन पैटर्न पर आधारित पुनर्निर्माण से पता चलता है कि डेनिसोवन्स की खोपड़ी निएंडरथल और होमो सेपियन्स की तुलना में चौड़ी और दाँतों की चाप लंबी थी।

निष्कर्षों का महत्व

- **भौगोलिक सीमा और अनुकूलनशीलता:** पेन्गु 1 जबड़े की हड्डी की खोज ने ठंडे ऊँचे क्षेत्रों से लेकर उपोष्णकटिबंधीय तटरेखाओं तक, विविध वातावरणों के लिए उनकी अनुकूलनशीलता को उजागर किया है।
- **प्रमुख भौगोलिक सीमा:**
 - ताइवान (पेंगु चैनल): हाल ही में खोज

- **रूस (डेनिसोवा गुफा):** दाँत और एक छोटी उंगली की हड्डी का टुकड़ा।
- **चीन का गांसु प्रांत (बैशिया कार्स्ट गुफा, तिब्बती पठार):** एक जबड़ा और पसली का टुकड़ा।
- **लाओस (कोबरा गुफा):** एक दाढ़ (माना जाता है कि इसके आकार के आधार पर यह डेनिसोवन से है)।



- **आनुवंशिक विरासत:** डेनिसोवन्स ने निएंडरथल एवं होमो सेपियन्स के साथ संभोग किया, जिससे एशिया और ओशिनिया में आधुनिक आबादी में आनुवंशिक सामग्री का योगदान हुआ।
- तिब्बती जनसंख्या में उच्च ऊँचाई अनुकूलन जैसे लक्षणों में उनका आनुवंशिक प्रभाव स्पष्ट है।

चुनौतियाँ और भविष्य का अनुसंधान

- **जीवाश्म की तिथि निर्धारण:** पारंपरिक तिथि निर्धारण विधियों की अनुपस्थिति के कारण पेन्गु 1 की सटीक आयु अनिश्चित बनी हुई है। संबंधित पशु जीवाश्मों के आधार पर अनुमान 10,000 से 190,000 वर्ष तक है।
- **ज्ञान का विस्तार:** यह खोज जलमग्न भूमि और अन्य संभावित डेनिसोवन आवासों की आगे की खोज की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।
- **पैलियोप्रोटीओमिक्स (प्राचीन प्रोटीनों का विश्लेषण)** जैसी उन्नत तकनीकें अधिक डेनिसोवन जीवाश्मों की पहचान करने और उनके वितरण के बारे में हमारी समझ को परिष्कृत करने में सहायता कर सकती हैं।
- **फिजियोलॉजी या मेडिसिन के लिए नोबेल पुरस्कार (2022):** यह विलुप्त होमिनिन और मानव विकास के जीनोम के क्षेत्र में उनके शोध के लिए स्वीडिश आनुवंशिकीविद् स्वेन्ते पैबो को दिया गया है।

Source: DD News

RTI अधिनियम में संशोधन पर चिंताएँ व्यक्त की गईं

Context

- केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि विभिन्न कानूनों के तहत खुलासा करने के योग्य व्यक्तिगत विवरण, नए डेटा सुरक्षा नियम लागू होने के बाद भी RTI अधिनियम के तहत खुलासा करना जारी रहेगा।

परिचय

- RTI अधिनियम (2005) में संशोधन प्रभावी हो जाएगा जब डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा (DPDP) नियम आने वाले सप्ताहों में अधिसूचित किए जाएंगे।
- RTI अधिनियम की धारा 8(1)(j) में अब व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा करने पर सामान्य रोक शामिल है, भले ही यह सार्वजनिक हित के लिए आवश्यक हो।
- चिंताएँ उठाई गईं:
 - यह बदलाव सामाजिक ऑडिट और सार्वजनिक धन या भ्रष्टाचार के दुरुपयोग की जानकारी प्राप्त करना कठिन बनाता है।
 - RTI अनुरोध सरकार की योजनाओं की पुष्टि और जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रहे हैं, जैसे खाद्य राशन वितरण की जाँच।
 - मूल RTI अधिनियम ने गोपनीयता और पारदर्शिता के बीच संतुलन स्थापित किया; यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट के गोपनीयता निर्णय के साथ मेल खाने की दलील को अस्वीकार करते हैं।
- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संशोधन पारदर्शिता या कानूनी रूप से आवश्यक होने पर व्यक्तिगत जानकारी के खुलासे को प्रतिबंधित नहीं करेगा।
 - उन्होंने 2017 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया जिसमें अनुच्छेद 21 के तहत गोपनीयता के अधिकार की पुष्टि की गई थी।

RTI (संशोधन) अधिनियम, 2019

- सूचना आयुक्तों की स्थिति और कार्यकाल में बदलाव: केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों का कार्यकाल अब 5 वर्ष निर्धारित नहीं है और इसे घटाकर 3 वर्ष कर दिया गया है।

- CIC और ICs के वेतन, भत्ते और सेवा शर्तें भी केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाती हैं, न कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के बराबर (जैसा कि मूल अधिनियम में है)।
- RTI अधिनियम (2022) के तहत नियम:** RTI ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से RTI आवेदनों की ऑनलाइन फाइलिंग को प्रोत्साहित किया गया।
- अपील और शिकायत दर्ज करने की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए संशोधन किए गए।

सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI), 2005

- उद्देश्य:** यह अधिनियम नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार देकर सरकार के कामकाज में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया था।
- दायरा:** यह अधिनियम सार्वजनिक प्राधिकरणों पर लागू होता है, जिसमें सरकारी विभाग, मंत्रालय और वे संगठन शामिल हैं जो सरकार द्वारा पर्याप्त रूप से वित्तपोषित हैं।
- जनता के लिए उपलब्ध जानकारी:** नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों से जानकारी का अनुरोध करने का अधिकार है, जिसमें रिकॉर्ड, दस्तावेज़ और अन्य जानकारी तक पहुँच शामिल है।
- अपवाद:** ऐसी जानकारी जो राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर सकती है, गोपनीयता का उल्लंघन कर सकती है, या चल रही जाँच की सत्यता को हानि पहुँचा सकती है।
- प्रतिक्रिया की समय सीमा:** सार्वजनिक प्राधिकरणों को सूचना अनुरोधों का उत्तर 30 दिनों के अन्दर देना आवश्यक है। कुछ मामलों में, इस अवधि को 45 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है।
- दंड:** इस अधिनियम में उन अधिकारियों के खिलाफ दंड का प्रावधान है जो बिना उचित कारण के जानकारी withheld करते हैं या गलत जानकारी प्रदान करते हैं।

अधिनियम का महत्व

- नागरिकों को सशक्त बनाता है:** सार्वजनिक प्राधिकरणों से जानकारी तक पहुँचकर सरकार में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है।

- **सरकार को जवाबदेह बनाता है:** सार्वजनिक प्राधिकरणों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाते हुए भ्रष्टाचार को रोकने में सहायता करता है।
 - RTI ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (NREGS) में धन के दुरुपयोग का खुलासा करने में मदद की।
- **सुशासन को बढ़ावा देता है:** यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत करता है और सुनिश्चित करता है कि सरकार पारदर्शिता से कार्य करे, जिससे जनता का विश्वास बढ़े।
- **सामाजिक ऑडिट सक्षम बनाता है:** कार्यकर्ता और एनजीओ सरकारी योजनाओं और सेवाओं के सामाजिक ऑडिट करने के लिए RTI का उपयोग करते हैं।
 - RTI का उपयोग यह जाँचने के लिए किया गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के अंतर्गत खाद्य राशन सही तरीके से वितरित किया गया था या नहीं।
- **सार्वजनिक रिकॉर्ड तक पहुँच:** RTI अनुरोधों का उपयोग सरकारी अनुबंधों का विवरण प्राप्त करने के लिए किया गया है, जिससे भ्रष्टाचार या अक्षमताओं का प्रकटीकरण हुआ है।
- **लोकतंत्र को मजबूत करता है:** निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए नागरिकों को एक उपकरण प्रदान करता है, लोकतंत्र को बढ़ाता है।

अधिनियम की आलोचना

- सार्वजनिक प्राधिकरणों पर भार बढ़ाना इससे सूचना अनुरोधों की अधिकता हो गई है, जिससे सार्वजनिक प्राधिकरणों पर दबाव पड़ा है और उनके प्राथमिक कर्तव्यों से ध्यान हट गया है।
- अधिनियम का दुरुपयोग कुछ व्यक्ति या समूह व्यक्तिगत या राजनीतिक मुद्दों को निपटाने के लिए RTI अनुरोधों का उपयोग करते हैं।
- अनुरोधों के प्रसंस्करण में देरी प्रतिक्रिया के लिए निर्धारित समय सीमा के बावजूद, कुछ सार्वजनिक प्राधिकरण इन समयसीमाओं का पालन करने के लिए संघर्ष करते हैं, जिससे जानकारी चाहने वालों में निराशा उत्पन्न होती है।
- क्षमता और प्रशिक्षण के मुद्दे कुछ सार्वजनिक प्राधिकरणों के पास RTI अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने

के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा, जनशक्ति और प्रशिक्षण का अभाव है।

- छूट और अस्पष्टता अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में छूट कभी-कभी अस्पष्ट रूप से परिभाषित की जाती है; इस अस्पष्टता का उपयोग उस जानकारी को रोकने करने के लिए किया जा सकता है जो आदर्श रूप से सार्वजनिक डोमेन में होनी चाहिए।

आगे की राह

- RTI अधिनियम ने पारदर्शिता को बढ़ावा देने, भ्रष्टाचार को कम करने और सरकारी संस्थाओं को जवाबदेह बनाकर नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- यह सुशासन को बढ़ावा देने और नागरिकों को उनके जीवन को प्रभावित करने वाली जानकारी तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है।
- संशोधन अभी तक प्रभावी नहीं हुआ है, क्योंकि DPDPA अधिनियम (डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम) को लागू करने के नियम अभी भी मसौदा रूप में हैं।
- नागरिक समाज संगठन इन मसौदा नियमों को संशोधित करने की माँग कर रहे हैं ताकि RTI अधिनियम में बदलाव अंतिम रूप न ले सकें।

Source: AIR

भारत और रूस ने रणनीतिक परियोजनाओं को मंजूरी दी

समाचार में

- भारत और रूस ने नई दिल्ली में आयोजित “भारत-रूस प्राथमिक निवेश परियोजनाओं पर कार्य समूह (IRWG-PIP)” के 8वें सत्र के दौरान छह नई रणनीतिक परियोजनाओं पर सहमति व्यक्त की है।

पृष्ठभूमि

- भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा” अक्टूबर 2000 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित की गई थी।

- 2010 में, इस साझेदारी को “विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी” में ऊँचा किया गया, जो रक्षा, राजनीति, अर्थव्यवस्था, और संस्कृति जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग को दर्शाता है।
- भारत-रूस संबंध उच्च स्तरीय बातचीत, संस्थागत संवाद तंत्र, और BRICS, SCO और UN जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग द्वारा चिह्नित हैं।

8वें IRWG-PIP सत्र के मुख्य बिंदु

- **छह नई रणनीतिक परियोजनाएँ:** भारत और रूस ने द्विपक्षीय निवेश को बढ़ावा देने के लक्ष्य से छह नई रणनीतिक परियोजनाओं पर सहयोग करने पर सहमति जताई।
 - **क्षेत्र:** इन परियोजनाओं में व्यापार, प्रौद्योगिकी नवाचार, और आर्थिक विकास शामिल हैं।
- **ढाँचा:** IRWG-PIP “भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग” (IRIGC-TEC) के तहत कार्य करता है।

समझौते का महत्व

- **आर्थिक स्थिरता मजबूत करना:** बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के व्यापार पोर्टफोलियो का विविधीकरण।
- **पश्चिम पर अत्यधिक निर्भरता कम करना:** प्रमुख शक्तियों के साथ संबंधों को संतुलित कर रणनीतिक स्वायत्तता को सशक्त बनाना।
- **‘मेक इन इंडिया’ और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा:** प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, उत्पादन के स्थानीयकरण, और औद्योगिक वृद्धि को प्रोत्साहित करना।
- **भू-राजनीतिक लाभ:** बहुध्रुवीय विश्व और यूरोशियाई क्षेत्रीय गतिशीलता में भारत की भूमिका को बढ़ाना।

भारत और रूस संबंध

- दोनों देशों के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंध रहे हैं, जो सोवियत काल से चले आ रहे हैं।
 - विगत कुछ वर्षों में उनका सहयोग मजबूत हुआ है, 1995 में व्यापार 1.4 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 65.7 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

- भारत से प्रमुख निर्यात में कृषि उत्पाद, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स और मशीनरी शामिल हैं, जबकि रूस मुख्य रूप से तेल, उर्वरक एवं खनिज ईंधन का निर्यात करता है।
- दोनों देशों का लक्ष्य 2030 तक 100 बिलियन अमरीकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य तक पहुँचना है।

- द्विपक्षीय सहयोग को भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग (IRIGC-TEC) जैसे प्रमुख मंचों द्वारा समर्थन प्राप्त है, जिसमें 15 कार्य समूह और 6 उप-समूह शामिल हैं। भारत-रूस रणनीतिक आर्थिक वार्ता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- **बहुपक्षीय जुड़ाव:** भारत और रूस UN, G20, BRICS & SCO जैसे कई बहुपक्षीय मंचों पर निकटता से सहयोग करते हैं।
 - 2023 में G20 और SCO की भारत की अध्यक्षता ने दोनों देशों के अधिकारियों और मंत्रियों को भारत में विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान मिलने का अवसर प्रदान किया।

- **रक्षा:** द्विपक्षीय परियोजनाओं में S-400 की आपूर्ति, T-90 टैंकों और Su-30 MKI का लाइसेंस प्राप्त उत्पादन, MiG-29 और कामोव हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति, आईएनएस विक्रमादित्य (पूर्व में एडमिरल गोर्शकोव), भारत में AK-203 राइफलों का उत्पादन और ब्रह्मोस मिसाइलें शामिल हैं।

- **Source :Air**

जन्म और मृत्यु के आँकड़ों की रिपोर्टिंग में विलंब

संदर्भ

- जन्म और मृत्यु को पंजीकृत करने के लिए नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS) में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण जन्म और मृत्यु पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने में देरी हो रही है।

नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS) ऐप

- गृह मंत्रालय के अंतर्गत भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त द्वारा तैयार किया गया मोबाइल ऐप

जन्म एवं मृत्यु के पंजीकरण के लिए लगने वाले समय को काफी हद तक कम करने की अपेक्षा है।

- जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 के अनुसार, देश में 1 अक्टूबर, 2023 से होने वाले सभी रिपोर्टेड जन्म और मृत्यु को डिजिटल रूप से पंजीकृत किया जाएगा।
- डिजिटल जन्म प्रमाणपत्र विभिन्न सेवाओं के लिए जन्म तिथि को प्रमाणित करने के लिए एकल दस्तावेज होगा, जैसे शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश, सरकारी रोजगारों और विवाह पंजीकरण।
- केंद्रीकृत डेटाबेस राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR), राशन कार्ड, संपत्ति पंजीकरण और मतदाता सूची को अपडेट करने में भी सहायता करेगा।

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर(NPR)

- NPR नागरिकता अधिनियम के अनुसार राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) बनाने का प्रथम कदम है।
- NPR प्रथम बार 2010 में संग्रहित किया गया और 2015 में घर-घर जाकर अद्यतन किया गया, इसमें पहले से ही 119 करोड़ निवासियों का डेटाबेस है।

कार्यान्वयन में चुनौतियाँ

- **अस्पतालों द्वारा रिपोर्टिंग में विलंब:** अस्पताल और स्वास्थ्य देखभाल संस्थान डेटा को वास्तविक समय में अपलोड नहीं कर रहे हैं, जिससे बाधाएँ उत्पन्न हो रही हैं।
- **तकनीकी समस्याएँ:** डिजिटल प्रणाली को राज्यों और सुविधाओं में निर्बाध एकीकरण की आवश्यकता है, जो अभी तक पूरी तरह से कार्यात्मक नहीं है।
- **प्रशिक्षण के मुद्दे:** स्थानीय रजिस्ट्रार और अस्पताल कर्मियों को सटीक रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल प्रशिक्षण और बुनियादी ढाँचा समर्थन की आवश्यकता है।

आगे की राह

- **डेटा गोपनीयता:** साझा किए गए संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा उपाय लागू किए जाने चाहिए।
- **निगरानी:** गैर-रिपोर्टिंग या देर से रिपोर्टिंग संस्थानों के लिए नियमित ऑडिट और जवाबदेही तंत्र।

- **संस्थागत क्षमता को मजबूत करना:** अस्पताल प्रशासकों और पंजीकरण अधिकारियों के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023

- अधिनियम को 1969 के जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम में संशोधित किया गया।
- **जन्म और मृत्यु का डेटाबेस:** भारत के रजिस्ट्रार जनरल (जो जन्म और मृत्यु के पंजीकरण के लिए सामान्य निर्देश जारी कर सकते हैं) पंजीकृत जन्म एवं मृत्यु का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाए रखेंगे।
- **डेटाबेस कनेक्ट करना:** राष्ट्रीय डेटाबेस अन्य डेटाबेस तैयार करने या बनाए रखने वाले प्राधिकरणों को उपलब्ध कराया जा सकता है। ऐसे डेटाबेस में शामिल हैं:
 - राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR),
 - मतदाता सूची, राशन कार्ड, और
 - अन्य राष्ट्रीय डेटाबेस जैसा कि अधिसूचित किया गया है।
- **जन्म प्रमाणपत्र का उपयोग:** इस प्रणाली के तहत जारी डिजिटल जन्म प्रमाणपत्र विभिन्न सेवाओं के लिए जन्म तिथि को प्रमाणित करने के लिए एकल दस्तावेज बन जाएगा, जैसे:
 - शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश,
 - मतदाता सूची तैयार करना,
 - सरकारी पद पर नियुक्ति, और
 - केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अन्य उद्देश्य।
- **डिजिटल रिकॉर्ड:** देश में सभी रिपोर्टेड जन्म और मृत्यु को डिजिटल रूप से पंजीकृत किया जाएगा।

Source: TH

भारत को एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है जो डीप-टेक नवाचार को बेहतर ढंग से सक्षम बना सके

समाचार में

- स्टार्टअप महाकुंभ में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय स्टार्टअप्स को उपभोक्ता-केंद्रित उद्यम जैसे फूड

डिलीवरी और बुटीक ब्रांड्स पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आलोचना की।

- उन्होंने इसे चीन के उच्च-तकनीकी क्षेत्रों जैसे ईवी, AI और सेमीकंडक्टर्स पर बल देने से तुलना की।

क्या आप जानते हैं?

- स्टार्टअप महाकुंभ भारत में नवाचार और उद्यमशीलता को प्रदर्शित करने वाला एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है।
- थीम: 'स्टार्टअप इंडिया @ 2047: unfolding the Bharat Story'।
- इसका उद्देश्य वैश्विक प्रदर्शन और सहयोग को बढ़ावा देना, नवाचार को बढ़ावा देना, और 2047 तक भारत को वैश्विक स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करना है।

चीन से तुलना

- भारतीय स्टार्टअप्स फूड डिलीवरी ऐप्स, ऑनलाइन सेवाओं जैसे बेटिंग, और इन्फ्लुएंसर-ड्रिवेन सामग्री पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- भारत में अत्याधुनिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बौद्धिक संपदा (IP) की कमी है, जबकि चीन में यह मौजूद है।
- भारत एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी AI मॉडल की कमी महसूस करता है और अभी भी प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहा है।
- चीनी स्टार्टअप्स इलेक्ट्रिक वाहनों (EV), बैटरी टेक्नोलॉजी, AI, रोबोटिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्रित हैं।
- चीन इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में वैश्विक नेता है और AI में Deepseek जैसी उपलब्धि के साथ अग्रणी है, जो अपेक्षित लागत के एक हिस्से में प्रभावी AI मॉडल तैयार करता है।
- चीन में 6,000 से अधिक डीप टेक स्टार्टअप्स हैं जिन्होंने लगभग \$100 बिलियन की वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी एकत्रित की है।

भारतीय स्टार्ट-अप के लिए चुनौतियाँ

- **नवाचार की कमी:** भारत अन्य देशों की तुलना में डीप-टेक इनोवेशन को बढ़ावा नहीं दे रहा है।
- भारतीय प्रतिभा वैश्विक स्तर पर सफल हो रही है (जैसे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, टेस्ला), लेकिन स्थानीय नवाचार सीमित है।

- **ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2024 में भारत का 39वाँ स्थान:** चीन 11वें स्थान पर है, जो एक बड़े अंतर को दिखाता है।
- **फंडिंग का अंतर:** भारत ने 2014-2024 के बीच टेक में \$160B निवेश किया जबकि चीन ने \$845B निवेश किया।
- **कम व्यय की क्षमता:** भारतीय जनसंख्या का 90% वित्तीय लचीलापन नहीं रखता है, जिससे इन कंपनियों की वृद्धि सीमित होती है।
- **शिक्षा/अनुसंधान में कमजोरी:** कई इंजीनियर अयोग्य हैं; विश्वविद्यालयों में वैश्विक अनुसंधान की मान्यता की कमी है।
- **ब्रेन ड्रेन:** शीर्ष प्रतिभा बेहतर अवसरों के लिए विदेश चली जाती है।
- **वेंचर कैपिटल (VC) संस्कृति में जोखिम से बचाव:** भारतीय वीसी लंबे समय के डीप-टेक के बजाय लो-रिस्क कंज्यूमर ऐप्स पसंद करते हैं।
- **सीमित उपस्थिति:** कई भारतीय स्टार्टअप्स जैसे फ्लिपकार्ट, जोमाटो और स्विगी मुख्यतः घरेलू बाजारों पर केंद्रित हैं, उनकी वैश्विक क्षमता सीमित है।
- **तकनीकी निर्माण में चीन पर निर्भरता:** भारत ने स्मार्टफोन असेंबली में प्रगति की है लेकिन तकनीकी निर्माण के लिए चीनी पार्ट्स पर निर्भर है।

अवसर

- भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें DPIIT द्वारा मान्यता प्राप्त 1.57 लाख+ स्टार्टअप्स (31 दिसंबर, 2024 तक) हैं।
- देश में 100+ यूनिकॉर्न हैं, जो कई क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देते हैं।
- बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, और दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रमुख शहर स्टार्टअप बूम का नेतृत्व करते हैं।
- टियर II और III शहर 51% से अधिक स्टार्टअप्स में योगदान करते हैं, जिससे बुनियादी स्तर पर मजबूत उद्यमशीलता वृद्धि होती है।
- सरकारी पहल जैसे 'स्टार्टअप इंडिया' ने इस वृद्धि को बढ़ावा देने और भविष्य के उद्यमियों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- भारत ने सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है, जिसमें Zoho, Freshworks, TCS और Infosys जैसी कंपनियां शामिल हैं।
- भारत ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के साथ एक वैश्विक टेम्पलेट सेट किया है, हालांकि मुद्राीकरण चुनौतीपूर्ण है।
 - पेटीएम और फोनपे ने डिजिटल भुगतान में क्रांति लाई।
- Digantara, Skyroot और Agnikul जैसे स्टार्टअप्स स्पेस टेक में उम्मीद दिखा रहे हैं।
- साइबर सुरक्षा स्टार्टअप्स उभर रहे हैं, हालांकि उन्हें जल्दी अधिग्रहित कर लिया जाता है।
- डीप-टेक निवेश 2024 में 78% बढ़कर \$1.6B तक पहुँच गया।

निष्कर्ष

- भारत ने SaaS और फिनटेक जैसे क्षेत्रों में प्रगति की है लेकिन डीप-टेक और वैश्विक पहुँच में चीन से पीछे है।
- स्टार्टअप्स को फंडिंग, बुनियादी ढाँचे और नवाचार में मजबूत समर्थन की आवश्यकता है।
- दीर्घकालिक राजनीतिक नेतृत्व सतत विकास के लिए आवश्यक है।
- वैश्विक टेक नेता के रूप में उभरने के लिए, भारत को उपभोक्ता-केंद्रित उद्यमों से डीप-टेक नवाचार की ओर बढ़ना होगा, जिसमें साहसिक निवेश, नीति समर्थन और सांस्कृतिक बदलाव शामिल होंगे।
- भारत को AI, स्मार्ट निर्माण, मेडटेक, क्लाउड टेक, रक्षा और कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

Source :IE

व्यापार और वित्त का हथियारीकरण

संदर्भ

- भारत के रक्षा मंत्री ने व्यापार, वित्त और उभरती प्रौद्योगिकियों के हथियारकरण द्वारा संचालित वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षीयता के क्षरण पर प्रकाश डाला।

व्यापार और वित्त का हथियारकरण क्या है?

- व्यापार और वित्त का हथियारकरण उन रणनीतिक व्यापार नीतियों और आर्थिक उपायों को संदर्भित करता है जो देश दूसरों पर राजनीतिक या आर्थिक दबाव डालने के लिए उपयोग करते हैं।
- यह प्रथा व्यापार और वित्त की पारंपरिक भूमिका, सहयोग और वैश्वीकरण के उपकरणों के रूप में, से अलग है।
- **व्यापार हथियारकरण के उपकरण:** शुल्क और प्रतिबंध, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों या सामग्रियों के निर्यात पर प्रतिबंध, मुद्रा हेरफेर आदि।

व्यापार और वित्त हथियारकरण की हालिया घटनाएँ

- **टैरिफ युद्ध 2.0:** चल रहे अमेरिका-चीन व्यापार संघर्ष में उच्च शुल्क और निवेश प्रतिबंध लगाए गए हैं ताकि रणनीतिक लाभ प्राप्त किया जा सके और आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित किया जा सके।
- **वित्तीय प्रतिबंध:** SWIFT नेटवर्क से रूस को बाहर करना और यूक्रेन आक्रमण के बाद इसके केंद्रीय बैंक के भंडार को फ्रीज करना वित्तीय हथियारकरण का एक आदर्श उदाहरण है।
- **प्रौद्योगिकी निरोध व्यवस्था:** चीन को अर्धचालक निर्यात पर प्रतिबंध और एआई या क्वांटम कंप्यूटिंग हार्डवेयर पर नियंत्रण प्रौद्योगिकी हथियारकरण को उजागर करता है।

आर्थिक हथियारकरण के परिणाम

- **बहुपक्षीय संस्थानों का क्षरण:** एकतरफा शुल्क लागू करने के बीच WTO की विवाद निपटान तंत्र की विश्वसनीयता घट रही है।
 - IMF और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं पर वैधता संकट है क्योंकि उन्हें पश्चिम-प्रधान माना जाता है।
- **नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था का पतन:** बढ़ता एकतरफावाद देशों को राष्ट्रीय हितों के पक्ष में अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और संधियों की उपेक्षा करने के लिए प्रेरित कर रहा है।
- **आर्थिक विखंडन:** दुनिया “भू-आर्थिक डिस्कपलिंग” देख रही है, जैसे क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉक्स, RCEP या IPEF, को महत्व प्राप्त हो रहा है।

- **वैश्विक असमानता:** महामारी और यूक्रेन युद्ध के दौरान देखे गए आपूर्ति शृंखला बाधाओं ने वैश्विक असमानताओं को और गहरा कर दिया है।

व्यापार हथियारकरण के खिलाफ उठाए गए कदम

- **क्षेत्रीय व्यापार समझौते:** देशों द्वारा क्षेत्रीय व्यापार समझौतों (RTAs) का गठन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर निर्भरता को कम करने और सहयोग को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।
 - उदाहरण: व्यापक और प्रगतिशील समझौता ट्रांस-पैसिफिक साझेदारी (CPTPP), क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (RCEP) आदि।
- **वैकल्पिक वित्तीय प्रणाली:** रूस का SPFS, चीन का CIPS, और BRICS भुगतान प्रणाली के प्रस्ताव SWIFT नेटवर्क के विकल्प हैं।
- **केन्द्रीय बैंक डिजिटल मुद्राएँ (CBDCs):** मौद्रिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए CBDCs का विकास किया जा रहा है।
- **मिनरल सिक्योरिटी पार्टनरशिप (MSP):** महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को विविध और स्थिर करने के लिए MSP स्थापित की जा रही है।
- **WTO का सुधार:** विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सुधार पर चल रही चर्चाओं का उद्देश्य इसके विवाद समाधान तंत्र को बढ़ाना और एकतरफा व्यापार क्रियाओं द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को संबोधित करना है।
- **इंडो-पैसिफिक आर्थिक ढाँचा (IPEF):** यह आर्थिक दबाव के खिलाफ एक उपाय के रूप में कार्य करता है, उन देशों द्वारा उपयोग किए जाने वाले व्यापार को प्रभाव उपकरण के रूप में उपयोग कर, अधिक न्यायसंगत और नियम-आधारित व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देता है।

निष्कर्ष

- व्यापार और वित्त का हथियारकरण एक नए भू-राजनीतिक संघर्ष के युग का संकेत देता है जहाँ आर्थिक पारस्परिक निर्भरता अब शांति की गारंटी नहीं है। भारत के लिए, जिसने हमेशा बहुपक्षीयता और वैश्विक सहयोग का समर्थन किया है, इस विखंडित विश्व व्यवस्था को नेविगेट करने के लिए रणनीतिक स्पष्टता, मजबूत संस्थान और एक मजबूत तकनीकी आधार की आवश्यकता है।

Source: TH

संक्षिप्त समाचार

जात्रा उत्सव

- **संदर्भ**
 - त्रिपुरा अपनी पारंपरिक कला रूपों, संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से एक “जात्रा उत्सव” आयोजित करने के लिए तैयार है।
- **परिचय**
 - जात्रा या जात्रापाला एक लोकप्रिय पारंपरिक बंगाली लोक नाट्य रूप है, जो सामान्यतः खुले मैदानों में आयोजित किया जाता है, जिससे दर्शकों के साथ बातचीत की अनुमति मिलती है। शब्द ‘जात्रा’ का अर्थ ‘यात्रा’ है, जो इसके चलती-फिरती नाटकीय प्रदर्शन के रूप में उत्पत्ति को दर्शाता है।
- **क्षेत्र:** जात्रापाला पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और त्रिपुरा में लोकप्रिय है, जो क्षेत्र की सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को दर्शाता है।
- **विशेषताएँ:** यह नाटकीय कहानी कहने, संगीत, नृत्य और सामाजिक टिप्पणी को मिलाकर प्रस्तुत किया जाता है। प्रदर्शन में विस्तृत पोशाकें, नाटकीय भावभंगिमाएँ, जोरदार संवाद और प्रायः नैतिक संदेश शामिल होते हैं।
- **थीम:** पौराणिक कथाएँ, ऐतिहासिक कहानियाँ और समकालीन सामाजिक मुद्दे।



Source: IE

महावीर जयंती

- **समाचार में भारत में महावीर जयंती बड़ी श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है।**
- **महावीर जयंती** यह भगवान महावीर (24वें और अंतिम जैन तीर्थंकर) के जन्म का स्मरण करती है। यह जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भगवान महावीर द्वारा सिखाए

गए मुख्य सिद्धांतों को याद करने और अपनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस उत्सव में प्रार्थना, ध्यान और करुणामय कार्य शामिल होते हैं, जो नैतिक जीवन जीने और सभी जीवों के प्रति दया दिखाने की याद दिलाते हैं। यह मुख्य रूप से भारत, नेपाल, अमेरिका और यूके में जैन अनुयायियों द्वारा मनाया जाता है।

वर्धमान महावीर

- उन्हें जैन धर्म के संस्थापक के रूप में स्वीकार किया गया है।
- वह जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर (शिक्षक) थे।
- उनका जन्म 599 ईसा पूर्व वैशाली में हुआ था, जो वज्जि जनजाति की राजधानी थी।
- उनके पिता सिद्धार्थ क्षत्रियों के एक कबीले के प्रमुख थे।
- उन्होंने 30 वर्ष की आयु में सांसारिक जीवन त्याग दिया और सच्चा ज्ञान प्राप्त करने के लिए कठिन जीवन व्यतीत किया।
- सत्य प्राप्त करने के बाद उन्हें महावीर कहा गया।
- उन्होंने ब्रह्मचर्य के महत्व में दृढ़ विश्वास किया।

दर्शन और शिक्षाएँ

- उन्होंने भगवान, अनुष्ठानों और जाति व्यवस्था में विश्वास को अस्वीकार किया और सभी लोगों के बीच समानता का समर्थन किया।
- उन्होंने अपने अनुयायियों को चार व्रत सिखाए: अहिंसा, सत्यवादिता, अपरिग्रह, और अचौर्य।
- उन्होंने मोक्ष, या जन्म और पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति प्राप्त करने के लिए सही विश्वास, सही ज्ञान, एवं सही आचरण के मार्ग पर बल दिया।
- उनका मुख्य सिद्धांत अहिंसा (अहिंसा) था, जिससे शाकाहार और छोटे-से-छोटे जीवों को हानि पहुँचाने से बचने जैसे अभ्यास सामने आए।
- महावीर ने अंग, मिथिला, मगध और कोसल जैसे क्षेत्रों में उपदेश देते हुए अपना जीवन बिताया और 527 ईसा पूर्व पावापुरी में उनका निधन हुआ।

क्या आप जानते हैं?

- शब्द 'जैन' संस्कृत शब्द 'जिन' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'विजेता', अर्थात्, जुनून और इच्छा का विजेता।

- अंतिम तीर्थंकर महावीर को जिन कहा जाता है क्योंकि उन्होंने सर्वोच्च प्राप्ति के बाद अपने जुनून को जीता।
- महावीर की शिक्षाएँ सामान्य भाषा, अर्ध मागधी, के उपयोग के कारण व्यापक रूप से स्वीकार की गई थीं।
- जैन धर्म बाद में दो संप्रदायों में विभाजित हुआ: दिगंबर (वायु-वस्त्रधारी) और श्वेतांबर (श्वेत-वस्त्रधारी)।
- बिंबिसार और अजातशत्रु जैसे राजाओं ने जैन धर्म अपनाया, और उनकी संरक्षकता में जैन कला, वास्तुकला, एवं साहित्य का विकास हुआ।

Source: AIR

महात्मा ज्योतिराव फुले जयंती

समाचार में

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।
- **ज्योतिबा फुले** वह एक अग्रणी समाज सुधारक थे जिन्होंने जाति भेदभाव को चुनौती दी, शिक्षा को बढ़ावा दिया और भारत में महिलाओं और पीड़ित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया।

प्रारंभिक जीवन:

- उनका जन्म 1827 में पूना के माली (माली) परिवार में हुआ था।
- माली 'शूद्र वर्ण' से संबंधित थे और महाराष्ट्र के मराठा-कुंभी किसान जाति के ठीक नीचे स्थित थे।
- 1848 में एक ब्राह्मण विवाह समारोह में अपमानित होने के बाद जातिवाद के विरुद्ध लड़ने का उनका संकल्प मजबूत हुआ।
- वह सिंधिया फरार और थॉमस पेन जैसे सामाजिक विचारकों और मिशनरियों से प्रेरित थे।

प्रमुख योगदान:

- 1848 में, फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले ने भारत का प्रथम कन्या विद्यालय शुरू किया और बाद में 18 और स्कूल स्थापित किए।

- उन्होंने श्रमिकों और किसानों के लिए रात के स्कूल भी शुरू किए।
- 1873 में उन्होंने “सोसाइटी ऑफ ट्रूथ-सीकर्स” की स्थापना की, जो एक समावेशी, जाति विरोधी आंदोलन था और ब्राह्मो समाज और आर्य समाज जैसे उच्च जाति द्वारा संचालित सुधारों के लिए एक विकल्प प्रदान करता था।

सामाजिक सुधार:

- उन्होंने सुधार आंदोलनों में उच्च जाति के प्रभुत्व का विरोध किया और बाल गंगाधर तिलक जैसी हस्तियों के साथ वैचारिक रूप से टकराव किया।
 - फिर भी, उन्होंने तिलक को जेल के दौरान जमानत देकर करुणा दिखाई।
- उन्होंने सिपाही विद्रोह को स्वतंत्रता की लड़ाई नहीं बल्कि पेशवा-युग के ब्राह्मणवादी शासन की वापसी का खतरा माना, जिसने दलितों को दबाया।
- **गुलामगिरी** में, उन्होंने भारत में जातिगत उत्पीड़न की तुलना अमेरिका में गुलामी से की और ब्राह्मणवादी प्रभुत्व को “स्वार्थी अंधविश्वास और कट्टरता” की प्रणाली के रूप में उजागर किया।
- उन्होंने अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा और गरीब परिवारों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए आकर्षित करने हेतु छात्रवृत्तियों और पुरस्कारों जैसे प्रोत्साहन की मांग की।
- उन्होंने **सार्वजनिक सत्य धर्म पुस्तक** जैसी पुस्तकों में सांप्रदायिक धर्म को अस्वीकार किया एवं धार्मिक कट्टरता और जाति-आधारित श्रेष्ठता की आलोचना करते हुए सार्वभौमिक मानव समानता पर जोर दिया।
- **शेतकरींचे असुद** में, उन्होंने सरकार से किसानों को शिक्षित करने, सिंचाई को बढ़ावा देने, मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने और बुनियादी ढाँचे के निर्माण में सेना को शामिल करने का आग्रह किया।
- उन्होंने बहुविवाह का विरोध किया और धर्म में लैंगिक भूमिकाओं तथा विवाह के संबंध में दोहरे मानकों पर प्रश्न उठाया।

विरासत:

- फुले ने जाति के दिव्य अनुमोदन को खारिज कर दिया, धार्मिक रूढ़िवाद पर सवाल उठाया, और एक न्यायपूर्ण, तर्कसंगत और समान समाज की कल्पना की।

- उनके निडर और करुणामय सक्रियता ने भारत में सामाजिक न्याय आंदोलनों की नींव रखी और आज भी प्रगतिशील विचारों को प्रेरित करती है।

Source: PIB

चित्तौड़गढ़ किला

संदर्भ

- राजस्थान सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि वह ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ किले की बाहरी सीमा से 10 किलोमीटर तक खनन गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर “सक्रिय रूप से विचार” कर रही है।

परिचय

- चित्तौड़गढ़ किले का निर्माण 7वीं शताब्दी ई. में राजस्थान के मौर्य वंश के शासक चित्रांगदा मोरी ने करवाया था।



- 728 ई. में, इस पर मेवाड़ के शासकों ने नियंत्रण पा लिया, जिन्होंने इसे अपनी राजधानी बनाया और इसे राजपूत शक्ति और प्रतिरोध का केंद्र बना दिया।
- मेवाड़ के गौरव और संप्रभुता के गढ़ के रूप में इस किले को प्रमुखता मिली।
- मलिक मुहम्मद जायसी की महाकाव्य कविता पद्मावत के अनुसार, अलाउद्दीन खिलजी ने राणा रतन सिंह की पत्नी रानी पद्मिनी को पाने के लिए किले की घेराबंदी की थी।
- इसे 2013 में राजस्थान के पहाड़ी किलों के अंतर्गत यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
- किले में सात विशाल द्वारों (पोल) से प्रवेश किया जाता है। यह रक्षा के लिए मजबूत प्राचीर के साथ मोटी पत्थर की दीवारों से घिरा हुआ है।
- आंतरिक परिसर में विजय स्तंभ (विजय की मीनार) और कीर्ति स्तंभ (प्रसिद्धि की मीनार) शामिल हैं।

- विजय स्तंभ (विजय की मीनार) - मालवा पर विजय का जश्न मनाने के लिए राणा कुंभा द्वारा निर्मित; 9 मंजिल ऊँचा, जटिल नक्काशीदार।
- कीर्ति स्तंभ (प्रसिद्धि की मीनार) - जैन तीर्थंकरों को समर्पित; जैन मूर्तियों से सुसज्जित।

Source: IE

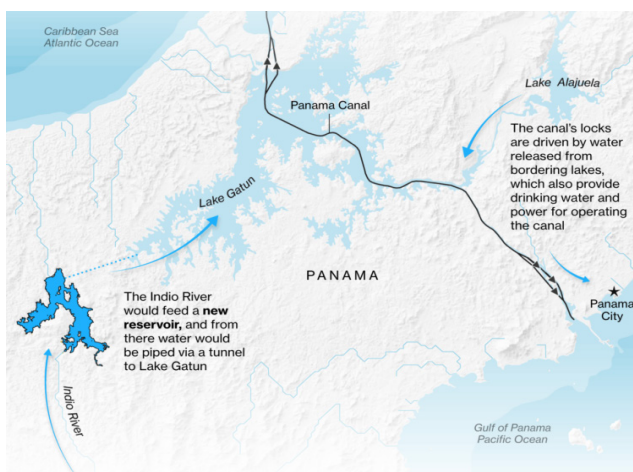
पनामा नहर

समाचार में

- पनामा ने पुष्टि की कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने पनामा नहर पर उसकी संप्रभुता को मान्यता दी है, हालिया सख्त बयानबाजी के बावजूद।
- दोनों देशों ने पनामा में अमेरिकी सैन्य प्रशिक्षण को गहराई देने के उद्देश्य से नए समझौतों की भी घोषणा की।

पनामा नहर

- यह एक कृत्रिम जलमार्ग है जो अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ता है।
- यह वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्व समुद्री व्यापार का 6% हिस्सा इसके माध्यम से गुजरता है।
- इसे 1914 में अमेरिका द्वारा खोला गया था, नहर ने अमेरिकी तकनीकी और आर्थिक शक्ति का प्रतीक दर्शाया।
- अमेरिका ने 31 दिसंबर 1999 तक नहर का नियंत्रण रखा, जिसे टोरीहोज-कार्टर संधियों के तहत पनामा को सौंप दिया गया।
- अमेरिका को इसकी तटस्थता की रक्षा करने और सैन्य आपात स्थितियों के दौरान प्राथमिकता मार्ग सुनिश्चित करने का अधिकार बरकरार है।



क्या आप जानते हैं?

- पनामा नहर संधि ने पनामा नहर क्षेत्र को समाप्त कर दिया तथा इसका नियंत्रण पनामा को सौंप दिया, जबकि स्थायी तटस्थता संधि ने नहर को तटस्थ घोषित कर दिया तथा सभी देशों के जहाजों को इसका उपयोग करने की अनुमति दे दी।

Source: TH

विटामिन डी की कमी

समाचार में

- एक हालिया अध्ययन ने खुलासा किया कि हर पाँच में से एक भारतीय विटामिन डी की कमी से पीड़ित है।

समाचार के बारे में

- अध्ययन में पाया गया कि देश के पूर्वी क्षेत्र में विटामिन डी की कमी विशेष रूप से गंभीर है। शहरी जनसंख्या, जो अधिकांशतः घर के अंदर केंद्रित जीवनशैली और सीमित धूप के संपर्क में रहती है, ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक प्रभावित है।

विटामिन डी

- जिसे कैल्सिफेरॉल के रूप में भी जाना जाता है, यह एक वसा-घुलनशील विटामिन है जो समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।
- सूरज की अल्ट्रावायलेट बी (UVB) किरणें त्वचा को स्वाभाविक रूप से विटामिन डी बनाने में मदद करती हैं, और अन्य आहार स्रोतों में अंडे, मांस या मछली शामिल हैं।
- कुछ डेयरी उत्पाद, अनाज और पौधों पर आधारित दूध विटामिन डी से समृद्ध किए गए होते हैं।
- यह शरीर में कैल्शियम और फॉस्फेट चयापचय को नियंत्रित करता है।
- विटामिन डी की कमी से ओस्टियोमलेशिया (हड्डियों का नरम होना), ओस्टियोपोरोसिस (हड्डियों के घनत्व की कमी) और बच्चों में रिकेट्स हो सकता है।

Source: IE

धारावी पुनर्विकास परियोजना(DRP)

संदर्भ

- महाराष्ट्र सरकार ने मुलुंड, कंजूरमार्ग और भांडुप में 256 एकड़ नमक पैन भूमि को धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए आवंटित करने की मंजूरी दी है।

धारावी पुनर्विकास परियोजना

- धारावी, जो मुंबई के मध्य में स्थित है, एशिया की सबसे बड़ी अनौपचारिक बस्तियों में से एक है, जो 240 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है।
- डीआरपी का उद्देश्य इस झुग्गी को एक नियोजित शहरी बस्ती में बदलना है, जिसमें उचित आवास, स्वच्छता और बुनियादी ढाँचा हो।
- इस पुनर्विकास को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत लागू किया जा रहा है।

महत्त्व

- सम्मानजनक आवास और बुनियादी सेवाएँ:** बेहतर आवास, जल आपूर्ति और स्वच्छता के बुनियादी ढाँचे प्रदान करके यह परियोजना एसडीजी 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण) और एसडीजी 6 (स्वच्छ जल और स्वच्छता) में योगदान करती है।
- असमानता में कमी:** अयोग्य निवासियों को आवास प्रदान करके यह परियोजना एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) का समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य सामाजिक और स्थानिक असमानताओं के अंतर को समाप्त करना है।
- स्थायी शहरीकरण:** डीआरपी एसडीजी 11 (स्थायी शहर और समुदाय) में सीधे योगदान देती है, अनौपचारिक बस्तियों को मजबूत, समावेशी और सुव्यवस्थित पड़ोस में बदलकर।

Source: TH

विज्ञानजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह

समाचार में

- MSC तुर्किए, जो दुनिया के सबसे बड़े और ईंधन-कुशल कंटेनर जहाजों में से एक है, ने विज्ञानजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह पर डॉक किया, जो भारत के समुद्री इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्रथम बार है

जब इतने बड़े कंटेनर जहाज ने किसी भारतीय या दक्षिण एशियाई बंदरगाह पर डॉक किया है।

विज्ञानजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट डीपवाटर मल्टीपर्स सीपोर्ट है और इसे केरल सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी परियोजना है।
- इसे मुख्य रूप से कंटेनर ट्रांसशिपमेंट के साथ-साथ बहुउद्देशीय और ब्रेक बल्क कार्गो को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसे वर्तमान में एक “लैंडलॉर्ड मॉडल” में एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी घटक के अंतर्गत डिज़ाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण (“DBFOT”) आधार पर विकसित किया जा रहा है।
- यह भारत का पहला डीपवाटर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट है, जिसकी प्राकृतिक गहराई 18 मीटर से अधिक है, जिसे 20 मीटर तक बढ़ाया जा सकता है।

Source :IE

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)

प्रसंग

- एक दिल्ली अदालत ने 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) की हिरासत में भेज दिया।

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)

- स्थापना के तहत:** 2008 के 26/11 मुंबई हमलों के बाद NIA अधिनियम, 2008 के अंतर्गत स्थापित।
- कार्य:** केंद्रीय आतंकवाद-रोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी।
- मंडेट:** भारत की संप्रभुता, सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय संधियों आदि को प्रभावित करने वाले अपराधों की जाँच।

NIA (संशोधन) अधिनियम, 2019:

- क्षेत्राधिकार का विस्तार:** भारत के नागरिकों/हितों को शामिल करने वाले भारत के बाहर किए गए अनुसूचित अपराधों की जाँच कर सकती है।
- मंडेट का विस्तार:** इसमें विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908; मानव तस्करी, साइबर आतंकवाद; शस्त्र अधिनियम, 1959 के अंतर्गत अपराध शामिल हैं।

- **शासी निकाय:** गृह मंत्रालय, भारत सरकार।
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली।
- **विशेष अदालतें:**
 - कुल NIA विशेष अदालतें: 51।
 - अनन्य NIA अदालतें: 2 (रांची और जम्मू)।

Source: TH

समुद्री सिंह

समाचार में

- कैलिफोर्निया के तट पर शैवाल प्रस्फुटन के कारण समुद्री सिंह मनुष्यों के प्रति असामान्य रूप से आक्रामक हो गए हैं।

समुद्री सिंह

- वे पिनिपेड्स ("फिन-फुटेड" स्तनधारी) हैं।
- वे छोटे मोटे बालों के एक कोट की विशेषता रखते हैं जिसमें एक अलग अंडरकोट की कमी होती है।
- उनके पास बड़े, लम्बे, अधिकांशतः त्वचा से ढके हुए फोर फ्लिपर्स होते हैं।

- वे शोर मचाते हैं और जोर से भौंकते हैं और वे ज़मीन पर "चलने" के लिए अपने पिछले फ्लिपर्स को घुमा सकते हैं, जिससे वे किनारे पर ज़्यादा गतिशील हो जाते हैं।
- वे अत्यधिक सामाजिक होते हैं, 1,500 व्यक्तियों तक के बड़े समूह (झुंड या बेड़ा) बनाते हैं।

नवीनतम अध्ययन

- उनका हालिया आक्रमण डोमोइक एसिड नामक न्यूरोटॉक्सिन के कारण है, जो शैवाल स्यूडो-निट्रिजिया द्वारा स्रावित होता है।
 - यह विष समुद्री शेरों के मस्तिष्क को प्रभावित करता है, जिससे तनाव, आक्रामकता, मांसपेशियों में ऐंठन और यहां तक कि स्थायी मस्तिष्क क्षति भी होती है।
- शैवाल का खिलना अपवेलिंग जैसे कारकों से प्रेरित होता है, जहाँ उच्च गति वाली हवाओं (ग्लोबल वार्मिंग से जुड़ी) के कारण पोषक तत्वों से भरपूर पानी सतह पर आ जाता है, और पोषक तत्वों से युक्त अपशिष्ट अपवाह जो विषाक्त शैवाल के विकास को बढ़ावा देता है।

Source: DTE

